

भोरो हैं तेरो कन्हैया - यशोदा -

बारे हैं तेरो कन्हैया

माखन मेरो रोजई चुरावे ॥२॥

तुम्हरी चरावे गैया.

यशोदा - भोरो है ---

रास रचावे - सारी - सारी रतियाँ ॥२॥

दैया - कदम की दैया.

यशोदा - भोरो है ---

रुक दिना येने - चीर चुराये ॥२॥

कोई हलो न सुनैआ.

यशोदा - भोरो है ---

अब "श्रीबाबाश्री" गल हो गई भारी ॥२॥

मारे यशोदा मैया - कन्हैया री

नाँचे ताला थईया

यशोदा - भोरो है ---